

वित्तिर्वीसा अति त्रिधः RV. 1, 36, 7. — अतितरसे MBu. 12, 5003 fehlerhaft für अतिवरसे, wie schon BENFAY bemerkt hat. — desid. übersetzen —, überschreiten wollen: अतिततितीर्यतां तमो ऽन्धम् Buāg. P. 1, 2, 3. — Vgl. अतितारिन् f. g.

— व्यति glücklich hinübergelangen, überwinden: यदा ते मोक्षकलिलं बुद्धिर्न्यतितरिष्यति Buāg. 2, 32.

— अनु 1) bis an's Ende nachgehen: ततं तनुमन्वेके तरति AV. 6, 122, 2. — 2) sich der Länge nach hinrecken: ते व्यथमानाः समरे भारद्वाजिन पार्थिवाः । मेदिन्यामन्वतीर्यत वातनुना इव द्रुमाः ॥ MBu. 7, 872 1. — Vgl. अनुतर, welches wohl richtiger in अनु + तर zerlegt wird.

— अय wohl irrig für अय, wie RV. hat, in der Stelle: अय तस्य बलं तिर AV. 6, 6, 3.

— अभि 1) herbeikommen zu: उभा तरैते अभि मातरा शिश्रुम् RV. 4, 140, 3. — 2) einholen, erreichen: (क्याः) कथं नाभ्यतरंस्तात पाएउवानाननीकिनीम् MBu. 7, 280.

— अय 1) hinabsteigen, sich herablassen: अयं तर नदीघा VS. 17, 6. अयतरितुं नदीम् HALIV. 3511. R. 2, 76, 22. 83, 24. 6, 82, 73. यमुनातटमवतीर्णाः PAÑKĀT. 9, 12. KATHĀS. 10, 28. अयततार वारिधा VID. 233. आसनात् MRĀKŪ. 38, 3. रयात् MBu. 3, 177 1. 5, 7166. N. 20, 17. R. 2, 45, 17. RAGH. 1, 54. ÇĀK. 8, 10. 100, 19. पर्वतायात् R. 6, 16, 14. 15. VID. 311. शैलराजावतीर्णा ऽङ्गोः कन्याम् d. i. गङ्गाम् MEGH. 31. वृतायात् KATHĀS. 10, 134. द्रुमात् MBu. 1, 5962. तुरंगात् Vet. 6, 11. VID. 30. तस्य पृष्ठात् KATHĀS. 26, 37. VID. 91. 329. गगणादवतीर्णाः PAÑKĀT. 48, 24. 46, 15. ÇĀK. 77, 10. 100, 1. मेघपदवीमवतीर्णा स्वः 98, 22. तस्या (नगर्या) च नभसो ऽवततार सः KATHĀS. 3, 53. VID. 102. Von leblosen Gegenständen: (विमानम्) योतिष्यद्यादवततार RAGH. 13, 68. कदैतदवतरिष्यति (चक्रं मस्तकात्) PAÑKĀT. 242, 12. शं भूमिर्त्वतीर्यती wohl einsinkend AV. 19, 9, 8. Häufig von dem Herabsteigen göttlicher Wesen auf die Erde um als Menschen geboren zu werden: अयतर्तुं मह्यो स्वर्गात् MBu. 1, 2309. 2511. 3, 1899. 15936. 13, 847. HARIV. 3165. शापावतीर्णा KATHĀS. 2, 21. मुनिक्न्या च सा शापातस्यां ज्ञाताववातरत् 31. 7, 17. PAÑKĀT. 43, 3. RĀGA-TAR. 1, 130. 3, 66. Buāg. P. 1, 11, 36. 3, 1, 26. विष्णुरेवावतीर्णा ऽसौ MĀRK. P. 17, 7. PRAB. 5, 4. — 2) sich wohin verfügen, begeben: स चेदवतरेत् — विषयं ते MBu. 3, 10015. तदीयं देशमवतीर्य MĀLAV. 68, 23. उडुपते: । धन्वीथिवीथिमवतीर्णवतः ÇĀK. 9, 32. अयतरतः सिद्धियं शब्दः स्वमनोरथस्येव MĀLAV. 21. — 3) zur Erscheinung kommen, sich einstellen: प्रथमावतीर्णायैव नमदनविकारा ŚĀH. D. 40, 1. 3. 8. — 4) an Etwas gehen, sich an Etwas machen: तत्प्रेयसीमारूप संगीतकमवतरामि DhŪRTAS. 68, 4. — 5) überwältigen, überwinden: पुरो यदिन्द्रं शारदीरवातिरः RV. 1, 131, 4. अनृतानि 131, 1. 11, 7. 93, 4. 101, 5. अवातिरिष्योतिषामिस्तमांसि 6, 9, 1. 23, 2. अयं तस्य बलं तिर 10, 133, 5. AV. 5, 18, 11. eine Krankheit überwinden, überstehen, von ihr genesen: अयतीर्णा ऽस्मि यद्गोगमतिडुस्तरम् KATHĀS. 24, 194. — caus. 1) herabsteigen —, hinabsteigen lassen, hinabführen, hinableiten, herabholen: (तम्) अयतारयदालम्ब्य — नदीम् R. 2, 103, 23. R. GORR. 2, 97, 24. संपातिमवतार्याय सामरम् 4, 58, 38. उल्लोदकद्रोपयाम् Suçr. 2, 36, 11. अयतारयामासुगिरिप्रङ्गात्वगोतमम् R. 4, 37, 4. 5. अयतार्यं च प्रूलायात् MBu. 1, 4327. KATHĀS. 12, 187. अयतार्यं ताम् (sc. रयात्) MBu. 3, 15748. 4, 149. MRĀKŪ. 108, 20. अयतारितवालकम् — सिद्धम् KATHĀS. 6, 95. अयतार्यं तत्स्कन्धात्ताः VID.

330. JĀĒN. 2, 100. आत्मानमात्मना हि त्वनवतार्यं महीतले (मधुसूदन) HARIV. 3166. सुरान् — अयतार्यं (auf die Erde) RĀGA-TAR. 1, 26. स चावतारयामास (गङ्गाम्) MBu. 3, 9917. RĀGA-TAR. 1, 320. यत्र — ऽङ्गवी देवदत्तिना । उशीनरगिरिप्रस्थाद्विवा तनयतारिता ॥ KATHĀS. 3, 5. अयतार्ययम् hinabfahren lassen VIKR. 10, 6. अयतारयानास मह्यो मन्त्रैर्वीरुन्मुत्तमम् HARIV. 1701. (नामभिः, श्रुतैः सर्वत्र जगति ब्रह्मलोकावतारितैः) MBu. 13, 1118. ब्रह्मलोकादयं स्वर्गं स्तवराज्ञो ह्यवतारितः 1136. 1137. — 2) herabnehmen, wegnehmen, abnehmen, abgiessen: शरीराद्रूपं सर्वमात्मनः सावतारयत् R. 4, 19, 29. MRĀKŪ. 95, 20. 132, 13. स्यापार्शं धनुषस्तस्य — अयतारयत् MBu. 4, 164. स्वभुजादवतारिता । तेन धूर्जतो गुर्वी सचिवेषु निचिन्ति ॥ RAGH. 1, 34. उत्तुशादवतार्यं पादम् KUMĀRAS. 3, 11. मात्रां कतात्तरादवतार्यं PAÑKĀT. 34, 20. स्ववीर्यादवतार्यं भारं भूमिः PRAB. 5, 11. Suçr. 1, 33, 6. 161, 17. 2, 74, 1. तैलं तीरानुगतमवतार्यं 43, 11. फाणितम् 66, 1. व्युषो ऽवतारयति मानविषम् entfernen ÇĀC. 9, 36. अङ्गराजादवतार्यं चक्षुः das Auge abwenden RAGH. 6, 30. — 3) hinleiten auf, — zu: शक्रुयो पादं पन्थानमवतारयितुं (ते) पुनः MBu. 3, 4395. — 4) in Gang bringen, verbreiten, einführen: विच्छिन्नप्रसरा विद्या भूयः प्रूरेण — देशे ऽस्मिन्नवतारिता RĀGA-TAR. 5, 32. उत्पत्तिभूमौ देशे ऽस्मिन्दरहरतिरोद्विता । कश्यपेन वितस्तेव तेन विद्यावतारिता ॥ 4, 485. vom Stapel laufen lassen (ein Werk), in's Werk setzen, vollbringen: जनकवृत्तात्तम् Verz. d. B. H. 193, 14. तत्र तया सन्ने ऽवतारिते RĀGA-TAR. 2, 53. in Anwendung bringen: श्यासकासविधिम् Suçr. 2, 308, 5; vgl. u. वि. — 5) herabkommen (?): अयं दिवत्तारयति सत सूर्यस्य रूपमयः AV. 7, 107, 1. — Vgl. अयतरण fgg.

— समव caus. herabsteigen lassen: तं ततः (प्रूलात्) समवतारयत् MBu. 1, 4326.

— आ 1) über Etwas hinübergelangen, durchziehen: उन्नते अयातर्हपत्तं आ रजः RV. 5, 59, 1. — 2) bewältigen: आतिरदासमर्कः RV. 3, 34, 1. 4, 30, 7. 7, 82, 6. 10, 34, 1. NĀIGH. 2, 19. — 3) ausdehnen, vermehren, verherrlichen: तृते यूमिभिर्विश्चमातिरत् RV. 7, 7, 6. अस्मा उपास आतिरत्तयाम्मिन्द्राय नक्तमूर्ध्याः सुवाचः 3, 83, 1. यद्रूा नक्तमातिरः 4, 30, 3. — Vgl. आतर, आतार.

— अय्या herbeikommen zu: परस्या अयिं संवतो ऽवरां अय्या तर RV. 8, 64, 15.

— उट् 1) aus dem Wasser (mit Hinzufügung oder Ergänzung von बलात् u. s. w.) steigen; hervorkommen aus ĀÇV. GRHJ. 4, 4. PĀR. GRHJ. 3, 10. MBu. 1, 6750. HARIV. 3693. KATHĀS. 26, 139. Buāg. P. 9, 18, 9. जलाडुत्तीर्य MBu. 3, 211. 11, 828. HARIV. 8436. MĀRK. P. 17, 20. अभियेकोत्तीर्णं vom Bade gekommen ÇĀK. 50, 16. स्नानोत्तीर्णं 23. व्यसनमकार्णवाद्याराडुत्तीर्णम् MRĀKŪ. 174, 7. पत्त्वलोत्तीर्णवराकूपयानि RAGH. 2, 17. उत्तीर्य कृपात् Buāg. P. 9, 19, 4. कृपाडुत्तीरितुम् ŚĀJ. zu RV. 1, 103. शकटाडुत्तीर्य PAÑKĀT. ed. ORN. 4, 14. नरकविवराडुत्तीर्णः PRAB. 46, 3. — 2) einem Unglück, einem Ungemach enttrinnen; mit dem abl. : डुस्त्यजादापद्रपात् Buāg. P. 7, 15, 68. बधोत्तीर्णं KATHĀS. 5, 53. रोगोत्तीर्णं wieder hergestellt, genesen 13, 17. विरहोत्तीर्णं 10, 199. — 3) hinabsteigen (von einem Baume) Vet. 5, 7. 11. absteigen so v. a. einkehren: तद्रू उतोर्षो 8, 18. — 4) übersetzen über (acc.): नदीमुत्तरिष्यन् PĀR. GRHJ. 3, 15. MBu. 2, 795. 3, 2511. R. 2, 49, 9. 39, 3. 4, 41, 44. 44, 8. 2. 6, 108, 14. RAGH. 12, 71. 16, 33. MEGH. 48. KATHĀS. 19, 98. RĀGA-TAR. 4, 250. PRAB. 20, 1. उदतारीडुदन्वत्-